Shivaji University, Kolhapur
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

Department of Hindi
हिंदी विभाग

M.A. Part I
एम. ए. भाग I
Semester I & II
सत्र परीक्षा I & II

M.A. Part II
एम. ए. भाग II
Semester III & IV
सत्र परीक्षा III & IV

New Syllabus
नवीन पाठ्यक्रम

(New Syllabus under Academic Flexibility Scheme And Credit System)
(Subject to the modification to be made time to time)

(अकादमिक लचीलापन योजनांतर्गत का नवीन पाठ्यक्रम : सत्र परीक्षा तथा क्रेडिट पद्धति)
(समय समय पर परिवर्तन संभव है)

June, 2011
जून, 2011

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
हिंदी विभाग

एम.ए. पाठ्यक्रम

आज हिंदी विश्व भाषा के पद पर विराजित है। हिंदी को संयुक्त राष्ट्र की भाषा बनाने के लिए भारत सरकार का निरंतर प्रयास जारी है। हिंदी के विश्वव्यापी स्वरूप को ध्यान में लेते हुए स्नातकोत्तर छात्रों को प्रशिक्षित करना आवश्यक है। सूचना क्रांति के जमाने में हिंदी आंतरताना (इंटरनेट) पर अपना अधिकार जमा चुकी है। हिंदी अत्यंत सम्पन्न भाषा है। हिंदी का साहित्य समृद्ध है। हिंदी ने साहित्य और समाज के बीच के रिश्ते की अहमियत बनाए रखी है। इन सारी बातों पर गंभीरता से विचार कर एम.ए. का 'स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम' बनाया है।

आज भारत के बाहर लगभग 154 देशों में हिंदी पढाई जाती है। इसमें प्रवासी भारतीयों के साथ स्थानीय छात्र भी हिंदी का अध्ययन करते हैं। हमारे छात्रों को विदेशों में भी नौकरी की संभावनाएँ हैं। आज अनेक साफ्टवेयर तैयार किए गए हैं। एम.ए. हिंदी के छात्र हिंदी के सभी पारंपरिक स्वरूप तथा उनकी विशेषताओं तथा साहित्य कृतियों के साथ–साथ उसके अधुनातन स्वरूप आयामों से परिचित होंगे और बेहतर भविष्य की सभी संभावनाओं को लेकर चलेंगे। हिंदी के वैश्विक स्थान और उसके प्रचार–प्रसारादि के कारण छात्रों के लिए रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध होंगे।

छात्रों को प्राचीन काल से लेकर आजतक के हिंदी साहित्य से परिचित कराना, उसकी उपयोगिता तथा प्रासंगिकता की जानकारी देना, तत्कालीन परिवेश, प्रमुख कवि तथा साहित्यकारों की रचनाओं की जानकारी देना पहला उद्देश्य है। हिंदी भाषा, लगभग ग्यारह सौ वर्षों के हिंदी साहित्य का इतिहास, भाषा विज्ञान हिंदी भाषा की समग्र जानकारी करा देना, हिंदी कथा और कथेतर साहित्य की विधाओं का परिचय तथा उसके अध्ययन के लिए समीक्षात्मक दृष्टिकोण विकसित कराना, साथ ही हिंदी के विविध व्यावहारिक स्वरूप तथा प्रयोग का ज्ञान कराना दूसरा उद्देश्य है। मनुष्य जीवन तथा ज्ञान विज्ञान के अनेक क्षेत्रों – भाषा प्रौद्योगिकी और हिंदी के अंतःसंबधों की जानकारी कराना तीसरा उद्देश्य है। संगणक क्षेत्र, बैंकींग, वैद्यक आदि अनेक क्षेत्रों में हिंदी का अद्वितीय स्थान है। आज विश्व साहित्य की संकल्पना इतनी विकसित हुई है कि विश्व साहित्य संकल्पना से 'अनुवाद' शब्द भी गहराई से जुडता गया। इन सभी बातों को केंद्र में रखकर छात्रोपयोगी एम.ए. पाठ्यक्रम प्रस्तुत है।

पाठ्यक्रम शीर्षक – एम.ए. हिंदी

पात्रता – प्रस्तुत पाठ्यक्रम में शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर के बी.ए. हिंदी उत्तीर्ण छात्र तथा दूसरे विश्वविद्यालयों के और विदेशी छात्र जो बी.ए. द्‌वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण हों वे प्रवेश ले सकते हैं। बी.एस्सी, बी.कॉम,बी.ए.,बी.एड. के छात्र अध्ययन क्षेत्र अध्ययन क्षेत्र परिवर्तन हेतु प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं।

प्रवेश प्रक्रिया : पात्र छात्रों की मेरिट लिस्ट शिवाजी विश्वविद्यालय की वेबसाईट www.unishivaji.ac.in पर दी जाएगी।

विद्‌यार्थी संख्या क्षमता – कुल 60 छात्र

खुला + आरक्षित = 27 +27 छात्र अन्य विश्वविद्‌यालय = 06 (10 %) (50% + 50%)

पाठ्यक्रम की अवधि :

चार सत्र परीक्षाओं के दो वर्ष

प्रत्येक सत्र की अवधि छः महीने

सत्र परीक्षा I और III जून से नवम्बर और सत्र परीक्षा II और IV दिसंबर से मई

अध्यापक :

- हिंदी विभाग के सभी अध्यापक
- अन्य विश्वविद्‌यालय से आमंत्रित विशेषज्ञ
- शिवाजी विश्वविद्‌यालय कोल्हापुर से जुडे अवकाशप्राप्त तथा कार्यरत आमंत्रित अध्यापक

पाठ्यक्रम अध्यापन पद्‌धति –

- व्याख्यान
- संगोष्ठी –चर्चासत्र
- दृक–श्राव्य माध्यमों –साधनों का प्रयोग
- विद्‌वानों के व्याख्यान

प्रश्नपत्र का स्वरूप –

- प्रत्येक सत्र परीक्षा में चार प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा जिसमें 80 अंक प्रश्नपत्र के और 20 अंक अंतर्गत मूल्यांकन के रहेंगे।
- मूल्यांकन क्रेडिट पद्‌धति से होगा।
- प्रत्येक प्रश्नपत्र 4 इकाईयों (Unit) का होगा।
- प्रत्येक इकाई के 15 व्याख्यान रहेंगे।
- प्रत्येक इकाई के 15 व्याख्यान का 1 क्रेडिट होगा।
- प्रत्येक सत्र परीक्षा में चार प्रश्नपत्र होंगे। उसमें प्रथम तीन बीज प्रश्नपत्र। चतुर्थ प्रश्नपत्र A और B होंगे और उसमें से छात्र अपनी रूचि से किसी एक चयन कर सकता है। यदि A का चयन किया गया तो VIII A , XII A तथा XVI A प्रश्नपत्र का चयन ही करना चाहिए। यदि ' B' का चयन किया गया तो VIII B, XII B तथा XVI प्रश्नपत्र का चयन करना चाहिए।

SHIVAJI UNIVERSITY,KOLHAPUR
शिवाजी विश्वविद्यालय,कोल्हापुर

M.A.Hindi Course (Semester & Credit System : New Syllabus)
एम.ए.हिंदी : सत्र परीक्षा एवं क्रेडिट पद्धति : नवीन पाठ्यक्रम

M.A. Part I : एम.ए. भाग I **Each Semister Marks = 400**

SEMESTER I

Paper I	प्रश्नपत्र	I	:	प्राचीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य
Paper II	प्रश्नपत्र	II	:	हिंदी साहित्य का इतिहास I
Paper III	प्रश्नपत्र	III	:	भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा
Paper IV A	प्रश्नपत्र	IV A	:	हिंदी कथा साहित्य I
				अथवा
Paper IV B	प्रश्नपत्र	IV B	:	भाषा प्रौद्योगिकी I

SEMESTER II

Paper V	प्रश्नपत्र	V	:	सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकाव्य
PaperVI	प्रश्नपत्र	VI	:	हिंदी साहित्य का इतिहास II
Paper VII	प्रश्नपत्र	VII	:	भाषा विज्ञान
Paper VIII A	प्रश्नपत्र	VIII A	:	हिंदी कथा साहित्य II
				अथवा
Paper VIII B	प्रश्नपत्र	VIII B	:	भाषा प्रौद्योगिकी II

SEMESTER III

Paper IX	प्रश्नपत्र	IX	:	आधुनिक हिंदी कविता I
Paper X	प्रश्नपत्र	X	:	भारतीय काव्यशास्त्र और समालोचना
Paper XI	प्रश्नपत्र	XI	:	प्रयोजनमूलक हिंदी I
Paper XII A	प्रश्नपत्र	XII A	:	कथेतर साहित्य I
				अथवा
Paper XII B	प्रश्नपत्र	XII B	:	भाषा प्रौद्योगिकी III

SEMESTER IV

Paper XII	प्रश्नपत्र	XIII	:	आधुनिक हिंदी कविता II
Paper XIV	प्रश्नपत्र	XIV	:	पाश्चात्य काव्यशास्त्र, साहित्य सिद्धान्त और विचारधाराएँ
Paper XV	प्रश्नपत्र	XV	:	प्रयोजनमूलक हिंदी II
Paper XVI A	प्रश्नपत्र	XVI A	:	कथेतर साहित्य II
				अथवा
Paper XVI B	प्रश्नपत्र	XVI B	:	भाषा प्रौद्योगिकी IV

(Under the Semester System, Academic Flexibility 4 credit scheme with effect from June 2011 admission)
(60 तासिकाएँ 60 hours)

एम. ए. भाग I
Semester I सत्र परीक्षा I
Paper I प्रश्नपत्र I
बीज प्रश्नपत्र
प्राचीन एवं निर्गुण भक्ति काव्य

उद्देश्य :

- प्राचीन तथा मध्ययुगीन कवियों एवं उनकी काव्यकृतियों से परिचित कराना।
- युगीन परिवेश तथा काव्यप्रवृत्तियों से परिचित कराना।
- प्राचीन तथा मध्ययुगीन प्रमुख कवियों की काव्यकृतियों का सूक्ष्म अध्ययन कराना।
- पठित कवि तथा उनकी काव्यकृतियों के वर्तमान कालीन महत्त्व से परिचित कराना।

Unit I इकाई I   15 तासिकाएँ 15 hrs

- पाठ्यपुस्तक : 'पृथ्वीराज रासो' : कवि चंदबरदायी –
  आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ. नामवर सिंह
  ससंदर्भ के लिये – ' बानवेध समय '
- पाठ्यविषय :
  - कवि चंदबरदायी : जीवन तथा रचनात्मक परिचय
  - कवि चंदबरदायीकालीन परिस्थितियाँ, काव्यप्रवृत्तियाँ
  - 'पृथ्वीराज रासो' : समग्र अध्ययन

Unit II इकाई II   15 तासिकाएँ 15 hrs

- पाठ्यपुस्तक : ' पदावली ' : कवि विद्यापति
  संपादक : रामवृक्ष बेनीपुरी
  ससंदर्भ के लिये – नख–शिख, नोंक–झोंक, वसंत के पद
- पाठ्यविषय :
  - कवि विद्यापति : जीवन तथा रचनात्मक परिचय
  - कवि विद्यापतिकालीन परिस्थितियाँ, काव्यप्रवृत्तियाँ
  - 'विद्यापति पदावली' : समग्र अध्ययन

Unit III इकाई III   15 तासिकाएँ 15 hrs

- पाठ्यपुस्तक : 'कबीर ग्रंथावली'
  संपादक : हजारीप्रसाद द्विवेदी
  ससंदर्भ के लिये – चुनिंदा 30 दोहे तथा पद
- पाठ्यविषय :
  - कबीर : जीवन तथा रचनात्मक परिचय
  - कबीरकालीन परिस्थितियाँ, काव्यप्रवृत्तियाँ, निर्गुण ज्ञानाश्रयी काव्यधारा : स्वरुप
  - कबीर गंथावली : समग्र अध्ययन

Unit IV इकाई IV

15 तासिकाएँ 15 hrs

- पाठ्यपुस्तक : 'पद्मावत' : कवि जायसी
  संपादक : रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
- ससंदर्भ के लिये – 'नागमति वियोग वर्णन' खंड
- पाठ्यविषय :
  - जायसी : जीवन तथा रचनात्मक परिचय
  - जायसी कालीन परिस्थितियाँ, काव्यप्रवृत्तियाँ , निर्गुण प्रेमाश्रयी काव्यधारा : स्वरूप
  - 'पद्मावत' : समग्र अध्ययन

संदर्भ ग्रंथ :

1. डॉ. नामवर सिंह, पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली द्वि.सं. 2007
2. डॉ. सिंह कुंवरपाल, भक्ति आंदोलन और लोकसंस्कृति, अनंग प्रकाशन, दिल्ली 2002
3. डॉ. सिंह शिवप्रसाद विद्यापति : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 13 वां.स. 2000
4. डॉ. मिश्र उमेश, विद्यापति ठाकुर : हिंदुस्तान एकेडमी ,इलाहाबाद, तृ. सं. 1960
5. डॉ. रणधीर श्रीवास्तव, विद्यापतिः एक अध्ययन, भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली 1991
6. डॉ. तिवारी रामचंद्र, कबीर मीमांसा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 2000
7. डॉ. रघुवंश, कबीर : एक नई दृष्टि, लोकभारती प्रकाशन , तृ.सं. 2002
8. डॉ. द्विवेदी हजारीप्रसाद, कबीर , कपूर एण्ड सन्स, दिल्ली ,1952
9. डॉ. वर्मा रामकुमार, संत कबीर, संत भवन प्रा. लि. इलाहाबाद, नवम् प्रकाशन, 1999
10. डॉ. मिश्र सत्यप्रकाश, मध्यकालीन काव्यधाराएँ एवं प्रतिनिधि कवि , हरियाणा साहित्य अकादमी , चंदीगढ,1989
11. डॉ. श्रीवास्तव रणधीर,जायसी : एक अध्ययन, भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली 1998
12. डॉ. शर्मा राजनाथ (संपा.) जायसी ग्रंथावली,, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
13. डॉ. द्विवेदी ह.प्रसाद , जायसी और उनका साहित्य संसार, दिल्ली 1959
14. डॉ. त्रिगुणायत गोविंद, कबीर ग्रंथावली , सटीक प्रकाशन, दिल्ली, नवीन संशोधित सं. 2001
16. आ. द्विवेदी हजारीप्रसाद , डॉ. नामवर सिंह संपा. पृथ्वीराज रासो' –साहित्य भवन, प्रा.लि. इलाहाबाद, पं संशोधित सं.
17. बेनीपुरी रामवृक्ष , संपादक, ' पदावली ', कवि विद्यापति , पुस्तक भंडार, पटना, 1965
18. आ. द्विवेदी हजारीप्रसाद, संपादक ,'कबीर ग्रंथावली', नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, 1954
19. आ.शुक्ल रामचंद्र, संपादक : 'पद्मावत' , नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

प्रश्नपत्र स्वरुप : 80:20 योजना

80 अंक – प्रश्नपत्र : 20 अंक – अंतर्गत

अंतर्गत 20 अंक

i) मौखिक परीक्षा : 10

ii) गृहपाठ : 10

प्रश्न क्र. 1	बहुविकल्पी प्रश्न – 10	अंक : 20
प्रश्न क्र. 2	ससंदर्भ व्याख्या अथवा लघुत्तरी प्रश्न 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न क्र. 3	दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न क्र. 4	दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
		कुल अंक : 80

एम. ए. भाग I
Semester I सत्र परीक्षा I
Paper II प्रश्नपत्र II
बीज प्रश्नपत्र

हिंदी साहित्य का इतिहास (I)

उद्देश्य :

- साहित्येतिहास के लेखन की आवश्यकता तथा महत्व से परिचित कराना
- प्राचीन या आदिकालीन साहित्य के युगीन परिवेश से परिचित कराना।
- मध्यकालीन साहित्य के युगीन परिवेश से परिचित कराना।
- प्राचीन या आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियों का अध्ययन कराना।
- मध्यकालीन साहित्य की प्रवृत्तियों का अध्ययन कराना।
- प्राचीन या आदिकालीन रचनाओं तथा उनके काव्यरूपों का अध्ययन कराना।
- मध्यकालीन विविध काव्यधाराओं का अध्ययन कराना।
- मध्यकालीन रचनाओं तथा उनके काव्यरूपों,शैलियों का अध्ययन कराना।

Unit I इकाई I — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- साहित्येतिहास तथा हिंदी साहित्य का इतिहास
- पाठ्यविषय :
    - साहित्येतिहास : आवश्यकता, महत्त्व और लेखन के विविध प्रयास
    - हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन, और प्रवृत्तियाँ
    - आदिकालीन गद्य साहित्य
    - संक्रातिकाल : नामकरण, महत्त्व और कवि

Unit II इकाई II — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) – निर्गुण भक्ति काव्यधारा
- पाठ्यविषय :
    - परिवेश तथा भक्ति आंदोलन, निर्गुण भक्ति काव्यधाराओं (ज्ञानाश्रयी और प्रेमाश्रयी) का सैद्धांतिक अध्ययन
    - निर्गुण ज्ञानाश्रयी काव्यधारा के प्रमुख भक्त कवि तथा उनकी रचनाओं का अध्ययन
    - 'निर्गुण प्रेमाश्रयी काव्यधारा के प्रमुख भक्त कवि तथा उनकी रचनाओं का अध्ययन

Unit III इकाई III — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) – सगुण भक्ति काव्यधारा
- पाठ्यविषय :
    - परिवेश, सगुण भक्ति काव्यधाराओं का सैद्धांतिक अध्ययन – कृष्णभक्ति और रामभक्ति
    - कृष्णभक्ति काव्यधारा तथा प्रमुख कवि, अष्टछाप, संप्रदाय निरपेक्ष कृष्णभक्ति काव्यधारा
    - प्रमुख कृष्ण भक्त कवियों की रचनाएँ

Unit IV इकाई IV — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल)
- पाठ्यविषय :
    - परिवेश, रीतिकालीन काव्यधाराएँ तथा प्रवृत्तियाँ
    - रीतिकालीन प्रमुख कवि तथा काव्यकृतियाँ
    - रीतिकालीन गद्य साहित्य

संदर्भ ग्रंथ :

1. आ. शुक्ल रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी, 2005 वि
2. डॉ. नगेन्द्र, (संपा.) हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, प्र.सं 1973 ई.
3. डॉ. सिंह बच्चन, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1998 ई.
4. डॉ. राजे सुमन, हिंदी साहित्य का आधा इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2002
5. डॉ. वर्मा रामकुमार, हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी ,हिंदी साहित्य की भूमिका, हिंदी ग्रंथ रत्नाकर, बंबई,1948 ई.
7. डॉ. चतुर्वेदी रामस्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,1998ई.
8. डॉ. गुप्त गणपतिचंद्र, हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास,नागरी प्रचारिणी सभा , वाराणसी

प्रश्नपत्र स्वरुप : 80 : 20 योजना

80 अंक – प्रश्नपत्र : 20 अंक – अंतर्गत

अंतर्गत 20 अंक

i) मौखिक परीक्षा : 10

ii) गृहपाठ : 10

प्रश्न क्र. 1	बहुविकल्पी प्रश्न – 10	अंक : 20
प्रश्न क्र. 2	लघुत्तरी प्रश्न 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न क्र. 3	दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न क्र. 4	दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
		कुल अंक : 80

एम. ए. भाग I
Semester I सत्र परीक्षा I
Paper III प्रश्नपत्र III
बीज प्रश्नपत्र
भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा

उद्देश्य :

- भाषा के अध्ययन से ज्ञानवृद्धि करना ।
- भाषा के स्वरूप तथा अन्य विषयों के साथ के उनके संबंधों का अध्ययन करना।
- विविध भारतीय भाषाओं की जानकारी लेना तथा उसके मूल स्रोत से परिचित कराना ।
- भाषाविज्ञान के इतिहास का अध्ययन कराना ।

Unit I इकाई I — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- भाषा एवं भाषाविज्ञान
- पाठ्यविषय :
  - भाषा एवं भाषाविज्ञान – स्वरूप
  - भाषा, परिभाषा ,विशेषताएँ
  - भाषाविज्ञान प्रमुख रूप i) वर्णनात्मक ii) ऐतिहासिक iii) तुलनात्मक iv) प्रायोगिक
  - भाषाविज्ञान : आवश्यकता और महत्व
  - भाषाविज्ञान का अन्य विषयों के साथ का संबंध, भाषा विकास के कारण

Unit II इकाई II — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- हिंदी भाषा : उद्भव और विकास
- पाठ्यविषय :
  - भाषा की उत्पत्ति
  - भाषा का आधार और प्रकृति
  - हिंदी भाषा का उद्भव और विभिन्न शैलियाँ
  - हिंदी भाषा पर अन्य भाषाओं का प्रभाव

Unit III इकाई III — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- भाषाविज्ञान का इतिहास
- पाठ्यविषय :
  - भाषाविज्ञान की भारतीय परंपरा
  - पाश्चात्य विद्वानों का भारतीय भाषाओं पर कार्य
  - आधुनिक भारतीय विद्वानों का भाषाविज्ञान से संबंध कार्य

Unit IV इकाई IV — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- भाषा के विविध भाषा परिवार
- पाठ्यविषय :
  - भाषा परिवार
  - द्रविड परिवार और उसकी विशेषताएँ
  - ऑस्ट्रिक परिवार और उसकी विशेषताएँ

- भारतीय आर्यभाषा और उसकी विशेषताएँ
    - i) प्राचीन भारतीय आर्यभाषा
    - ii) मध्यकालीन आर्यभाषा
    - iii) आधुनिक भारतीय आर्यभाषा

संदर्भ ग्रंथ :

1. डॉ. तिवारी भोलानाथ, भाषाविज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद, उनचासवाँ संस्करण,2005
2. डॉ. श्रीमाल नेमीचंद, भाषाविज्ञान, श्रुति प्रकाशन, जयपुर
3. डॉ. रामकिशोर आाधुनिक भाषाविज्ञान के सिद्धांत, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,1992
4. डॉ. तिवारी भोलानाथ, हिंदी भाषा और नागरि लिपि, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,1992
5. डॉ. जैन महावीर सरन, भाषा एवं भाषाविज्ञान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ,1992
6. डॉ. जैन महावीर सरान, परिनिष्ठित हिंदी का रुपग्रामिक अध्ययन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,1992
7. डॉ. जैन महावीर सरान, परिनिष्ठित हिंदी का ध्वनिग्रामिक अध्ययन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,1992

प्रश्नपत्र स्वरुप : 80 : 20 योजना

80 अंक – प्रश्नपत्र : 20 अंक – अंतर्गत

अंतर्गत 20 अंक

i) मौखिक परीक्षा : 10

ii) गृहपाठ : 10

प्रश्न क्र. 1 बहुविकल्पी प्रश्न – 10	अंक : 20
प्रश्न क्र. 2 लघुत्तरी प्रश्न 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न क्र. 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न क्र. 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
	कुल अंक : 80

एम. ए. भाग I

Semester I सत्र परीक्षा I

Paper IV A प्रश्नपत्र IV A

वैकल्पिक प्रश्नपत्र

हिंदी कथा साहित्य I

उद्देश्य :

- उपन्यासकार तथा उनके उपन्यासों से परिचित कराना और उपन्यासों का सूक्ष्म अध्ययन कराना।
- नाटककार तथा उनकी नाटयकृतियों से परिचित कराना और सूक्ष्म अध्ययन कराना।
- कहानीकार तथा उनके कहानी साहित्य से परिचित कराना और कहानियों का सूक्ष्म अध्ययन कराना।
- युगीन परिवेश तथा नाट्यविकास, प्रवृत्तियों–विशषताओं से परिचित कराना।
- वर्तमान काल में पठित नाटककार तथा उपन्यासकार एवं उनकी रचनाओं के महत्त्व से परिचित कराना।
- युगीन परिवेश तथा उपन्यास,नाटक,कहानी साहित्य के विकास, प्रवृत्तियों–विशषताओं से परिचित कराना।

Unit I इकाई I 15 तासिकाएँ 15 hrs

- पाठ्यपुस्तक : गोदान, प्रेमचंद
- ससंदर्भ के लिये – गोदान, प्रेमचंद
- पाठ्यविषय :
    - हिंदी उपन्यास और प्रेमचंद
    - गोदान : उपन्यास के तत्वों के आधार पर अध्ययन।
    - समीक्षा के विविध मानदंडों के आधार पर अध्ययन

Unit II इकाई II 15 तासिकाएँ 15 hrs

- पाठ्यपुस्तक : शेखर : एक जीवनी
- ससंदर्भ के लिये – 'शेखर एक जीवनी '
- पाठ्यविषय
    - हिंदी उपन्यास और अज्ञेय
    - शेखर एक जीवनी : कथ्य तथा शिल्प सौदर्य
    - समीक्षा के मानदंडों के आधार पर अध्ययन

Unit III इकाई III 15 तासिकाएँ 15 hrs

- पाठ्यपुस्तक : चंद्रगुप्त
- ससंदर्भ के लिये – ' चंद्रगुप्त '
- पाठ्यविषय
    - ऐतिहासिक नाटक और जयशंकर प्रसाद
    - नाटक और तत्वों के आधार पर अध्ययन
    - समीक्षा के मानदंडों के आधार पर अध्ययन

Unit IV इकाई IV

15 तासिकाएँ 15 hrs

- पाठ्यपुस्तक : मेरी कहानियाँ : उषा प्रियंवदा
  - हिंदी कहानी – उद्भव, विकास, विशेषताएँ
  - मेरी कहानियाँ : कथ्य तथा शिल्प सौदर्य
  - समीक्षा के मानदंडों के आधार पर अध्ययन

संदर्भ ग्रंथ :

1. डॉ. श्रीवास्तव शिवनारायण, हिंदी उपन्यास, सरस्वती मंदिर, वाराणसी,,1968 ई
2. डॉ धवन सुषमा, हिंदी उपन्यास, राजकमल प्रकाशन,दिल्ली,,1961 ई
3. डॉ. नवलकिशोर, आधुनिक हिंदी उपन्यास और मानवीय अर्थवत्ता, प्रकाशन संस्था, दिल्ली
4. डॉ. साहनी भीष्म, मिश्रराम जी (संपा.) आधुनिक हिंदी उपन्यास, जाकिर हुसेन कॉलेज,दिल्ली
5. डॉ. सिद्धनाथ कुमार, प्रसाद के नाटक, दि मॅकमिलन कंपनी और इंडिया प्रा. लि. नई दिल्ली
6. डॉ. सिंह बच्चन, हिंदी नाटक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. डॉ. रस्तोगी गिरीश, समकालीन नाटककार, इंद्रप्रस्थ प्रकाशन दिल्ली 1982
8. डॉ. तिवारी रामचंद्र, हिंदी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, इलाहाबाद, तृ.सं.1992 ई.
9. डॉ. शर्मा जगन्नाथ प्रसाद, प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, सरस्वती मंदिर, वाराणसी,,1943 ई.
10. डॉ. रस्तोगी गिरीश, समकालीन हिंदी नाटक के संघर्ष चेतना, हरियाणा साहित्य अकादमी,, चंदीगढ, 1989 ई.
11. डॉ. मिश्र विश्वनाथ, हिंदी नाटक पर पाश्चात्य प्रभाव,लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद,1966 ई.
12. डॉ. चतुर्वेदी रामस्वरुप, हिंदी गद्य : विन्यास और विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,1999
13. प्रेमचंद, गोदान , सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद,1978
14. अज्ञेय, शेखर एक जीवनी, सरस्वती प्रेस, बनारस
15. प्रसाद जयशंकर ,चंद्रगुप्त,राजपाल ॲन्ड सन्स, दिल्ली,
16. उषा प्रियंवदा, मेरी कहानियाँ , वाणी प्रकाशन,संस्करण, 2010

प्रश्नपत्र स्वरुप : 80:20 योजना

80 अंक प्रश्नपत्र : 20 अंक अंतर्गत

अंतर्गत 20 अंक

i) मौखिक परीक्षा : 10

ii) गृहपाठ : 10

प्रश्न क्र. 1 बहुविकल्पी प्रश्न – 10	अंक : 20
प्रश्न क्र. 2 ससंदर्भ व्याख्या अथवा लघुत्तरी प्रश्न 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न क्र. 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न क्र. 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
	कुल अंक : 80

एम. ए. भाग I
Semester I सत्र परीक्षा I
Paper IV B प्रश्नपत्र IV B
वैकल्पिक प्रश्नपत्र
भाषा प्रौद्योगिकी I

उद्देश्य :
- भाषा प्रौद्योगिकी के स्वरूप से परिचित कराना।
- संगणक का परिचय कराना।
- हार्डवेयर –सॉफ्टवेयर की जानकारी देना।
- विविध विंडोज वातावरण का परिचय कराना

Unit I इकाई I — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- भाषा प्रौद्योगिकी
- पाठ्यविषय :
  - भाषा प्रौद्योगिकी : स्वरूप
  - भाषा प्रौद्योगिकी : उद्देश्य
  - भाषा प्रौद्योगिकी : संभावनाएँ
  - भाषा प्रौद्योगिकी : उपयोगिता

Unit II इकाई II — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- संगणक का इतिहास
- पाठ्यविषय :
  - संगणक की पृष्ठभूमि : प्रारंभिक स्वरूप तथा इतिहास
  - संगणक का उद्गम तथा विकास
  - संगणक पीढियाँ और वर्गीकरण

Unit I इकाई III — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- संगणक : हार्डवेयर
  पाठ्यविषय :
  - हार्डवेयर का स्वरूप : अर्थ , महत्व
  - संगणक के विविध भागों का अध्ययन,
  - संगणक के विविध कार्यान्वयन प्रबंधन का अध्ययन
  - संगणक : इनपुट, आऊटपुट डिव्हायसेस
  - संगणक : प्राथमिक और दोयम संचयन /भंडारण

Unit I इकाई IV — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- संगणक : सॉफ्टवेयर
- पाठ्यविषय :
  - सॉफ्टवेयर का स्वरूप : अर्थ , महत्त्व तथा उपयोगिता
  - सॉफ्टवेयर के सामान्य प्रकार
  - विविध हिंदी सॉफ्टवेयर्स

संदर्भ ग्रंथ :

1. वाजपेयी आ. किशोरीदास,भारत की भाषाएँ, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. डॉ. विनोद प्रसाद, भाषा और प्रौद्योगिकी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. राम बंसल 'विज्ञानाचार्य',कम्प्युटर सूचना प्रणाली विकास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. डॉ. मल्होत्रा विजयकुमार, कम्प्युटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. डॉ. दीक्षित सूर्यप्रसाद, भाषा प्रौद्योगिकी तथा भाषा प्रबंधन , किताबघर प्रकाशन, दिल्ली

प्रश्नपत्र स्वरुप : 80:20 योजना

80 अंक प्रश्नपत्र : 20 अंक अंतर्गत

अंतर्गत 20 अंक

i) मौखिक परीक्षा : 10

ii) गृहपाठ : 10

प्रश्न क्र. 1 बहुविकल्पी प्रश्न – 10	अंक : 20
प्रश्न क्र. 2 लघुत्तरी प्रश्न 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न क्र. 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न क्र. 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
	कुल अंक : 80

एम. ए. भाग I
Semester II सत्र परीक्षा II
Paper V प्रश्नपत्र V
बीज प्रश्नपत्र
सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकाव्य

उद्देश्य :

- छात्रों को मध्ययुगीन कवियों एवं उनकी काव्यकृतियों से परिचित कराना।
- युगीन परिवेश तथा काव्यप्रवृत्तियों से परिचित कराना।
- प्रमुख कवियों की काव्यकृतियों का सूक्ष्म अध्ययन कराना।
- वर्तमान काल में पठित कवि तथा उनकी काव्यकृतियों कें वर्तमान कालीन महत्त्व से परिचित कराना।

Unit I इकाई I — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- पाठ्यपुस्तक : 'भ्रमरगीत' : कवि सूरदास ,संपादक : आ रामचंद्र शुक्ल
- ससंदर्भ के लिये – चुनिंदा पद – 25
- पाठ्यविषय :
  - सूरदास : जीवन तथा रचनात्मक परिचय
  - सूरदास कालीन परिस्थितियाँ, काव्यप्रवृत्तियाँ, सगुण कृष्णभक्ति काव्यधारा स्वरुप
  - 'भ्रमरगीत' : समग्र अध्ययन

Unit II इकाई II — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- पाठ्यपुस्तक : 'रामचरितमानस': तुलसीदास – संपादक : आ रामचंद्र शुक्ल
- ससंदर्भ के लिये – उत्तरकांड
- पाठ्यविषय :
  - तुलसीदास : जीवन तथा रचनात्मक परिचय
  - तुलसीदास कालीन परिस्थितियाँ, काव्यप्रवृत्तियाँ, सगुण रामभक्ति काव्यधारा : स्वरूप
  - 'रामचरितमानस' : समग्र अध्ययन

Unit III इकाई III — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- पाठ्यपुस्तक : 'रीति काव्यधारा' (कवि बिहारी)–
  संपादक : आ रामचंद्र तिवारी, रामफेर त्रिपाठी
- ससंदर्भ के लिये – दोहे : भक्ति, वियोग,शृंगार,प्रकृति, बहुज्ञता, नीति, प्रकीर्ण
- पाठ्यविषय :
  - कवि बिहारी : जीवन तथा रचनात्मक परिचय
  - बिहारी कालीन परिस्थितियाँ, काव्यप्रवृत्तियाँ, सगुण रामभक्ति काव्यधारा :स्वरुप
  - ' कवि बिहारी ' : समग्र अध्ययन

Unit IV इकाई IV

15 तासिकाए 15 hrs

पाठ्यपुस्तक : 'रीतिकाव्यधारा'(कवि भूषण)–संपादक : आ रामचंद्र तिवारी, रामफेर त्रिपाठी,

- ससंदर्भ के लिये – रायगड वर्णन, शिवाजी प्रशस्ति, छत्रसाल प्रशस्ति, स्फुट
- पाठ्यविषय :
  - कवि भूषण : जीवन तथा रचनात्म परिचय
  - भूषण कालीन परिस्थितीयाँ, काव्यप्रवृत्तियाँ, सगुण रामभक्ति काव्यधारा : स्वरुप
  - ' कवि भूषण ' : समग्र अध्ययन

संदर्भ ग्रंथ :

1. डॉ. सिंह कुँवरपाल, भक्ति आंदोलन और लोकसंस्कृति, अनंग प्रकाशन, दिल्ली 2002
2. डॉ. शर्मा मुन्शीलाल, सूरदास और उनका साहित्य, भारतीय ग्रंथ निकेतन दिल्ली
3. डॉ. राय ललन, मध्यकालीन काव्यधाराएँ एवं प्रतिनिधी कवि, हरियाना साहित्य अकादमी,, चंदीगढ़
4. आ .वाजपेयी नंददुलारे, महाकवि सूरदास, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली,, द्वितीय संस्करण 1998
5. डॉ. मिश्र भगीरथ, तुलसी रसायन, साहित्य भवन प्रा.लि. इलाहाबाद
6. डॉ. मिश्र रामप्रसाद,भारतीय ग्रंथ निकेतन दिल्ली,, रामचरितमानस : एक अध्ययन
7. डॉ. शर्मा मुन्शीलाल तुलसी का मानस, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,1995
8. डॉ. नगेंद्र, रीतिकाव्य की भूमिका, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
9. डॉ. किशोरीलाल, बिहारी काव्य का अभिनव मूल्यांकन, साहित्य भवन प्रा,लि, इलाहाबाद, 2001
10. डॉ. सिंह बच्चन, बिहारी का नया मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. डॉ. मिश्र विश्वनाथ प्रसाद, भूषण वितान प्रकाशन, वाराणसी,,1961
12. डॉ. मिश्र व्रजकिशोर, भूषण मंजूषा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,,
13. डॉ. शर्मा राजपाल, हिंदी वीरकाव्य में सामाजिक जीवन की अभिव्यक्ति, आदर्श साहित्य प्रकाशन, नई दिल्ली,,1974
14. डॉ. जोशी शिवलाल, रीतिकालीन साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, साहित्य सदन, देहरादून,1962
15. आ. शुक्ल रामचंद्र, संपादक : 'भ्रमरगीत',नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
16. आ. शुक्ल रामचंद्र,'रामचरितमानस', गीता प्रेस ,गोरखपुर, 32 वाँ सं.सं. 2054,1998
17. डॉ. तिवारी रामचंद्र, त्रिपाठी रामफेर, संपादक : रीतिकाव्यधारा (कवि भूषण), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,

---

प्रश्नपत्र स्वरुप : 80 : 20 योजना

80 अंक प्रश्नपत्र : 20 अंक अंतर्गत

अंतर्गत 20 अंक

i) मौखिक परीक्षा : 10

ii) गृहपाठ : 10

प्रश्न क्र. 1 बहुविकल्पी प्रश्न – 10	अंक : 20
प्रश्न क्र. 2 ससंदर्भ व्याख्या अथवा लघुत्तरी प्रश्न 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न क्र. 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न क्र. 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20

कुल अंक : 80

एम. ए. भाग I

Semester II सत्र परीक्षा II

Paper VI प्रश्नपत्र VI

बीज प्रश्नपत्र

हिंदी साहित्य का इतिहास II

उद्‌देश्य :

- आधुनिक कालीन हिंदी साहित्य के युगीन परिवेश का अध्ययन कराना।
- आधुनिक कालीन हिंदी साहित्य की (कविता और गद्‌य) विभिन्न विधाओं तथा उनके विकास का अध्ययन कराना।
- आधुनिक कालीन साहित्य की प्रवृत्तियों का अध्ययन कराना।
- प्रमुख (काव्य तथा गद्‌य) रचनाओं का अध्ययन कराना।

Unit I इकाई I
15 तासिकाएँ 15 hrs

- आधुनिक हिंदी कविता : विकास प्रक्रिया के सोपान
- पाठ्‌यविषय :
  - भारतेंदु युगीन कविता– परिवेश, प्रमुख कवि तथा रचनाएँ, काव्यप्रवृत्तियाँ ।
  - महावीरप्रसाद द्‌विवेदी युगीन कविता – परिवेश, प्रमुख कवि तथा रचनाएँ, काव्यप्रवृत्तियाँ ।
  - छायावादी कविता – परिवेश, प्रमुख कवि तथा रचनाएँ, काव्यप्रवृत्तियाँ ।
  - उत्तर छायावादी युगीन कविता– परिवेश, प्रमुख कवि तथा रचनाएँ, काव्यप्रवृत्तियाँ ।

Unit II इकाई II
15 तासिकाएँ 15 hrs

- आधुनिक हिंदी कविता : विकास प्रक्रिया के सोपान
- पाठ्‌यविषय :
  - प्रगतिवादी कविता– परिवेश, प्रगतिशील लेखक आंदोलन, प्रमुख कवि तथा उनकी रचनाएँ, काव्यप्रवृत्तियाँ वैचारिक पृष्ठभूमि।
  - प्रयोगवादी नई कविता– परिवेश, प्रमुख कवि तथा उनकी रचनाएँ, काव्यप्रवृत्तियाँ, परिवर्तन के सोपान वैचारिक प्रवाह ।
  - समकालीन कविता– परिवेश, विविध आंदोलन, प्रमुख कवि तथा उनकी रचनाएँ, कविता की प्रवृत्तियाँ, वैचारिक प्रवाह परिवर्तित नवीन सोपान ।

Unit III इकाई III
15 तासिकाएँ 15 hrs

- कथा साहित्य का विकास
- पाठ्‌यविषय :
  - हिंदी उपन्यास साहित्य का विकास – प्रमुख उपन्यासकार तथा उनकी कृतियाँ, वैचारिक प्रवाह तथा साठोत्तरी उपन्यास साहित्य।
  - कहानी साहित्य का विकास – प्रमुख कहानीकार तथा उनकी कृतियाँ, वैचारिक प्रवाह तथा साठोत्तरी कहानी साहित्य तथा विविध कहानी आंदोलन।
  - हिंदी नाटक साहित्य : विकास – प्रमुख नाटककार तथा उनकी कृतियाँ, वैचारिक प्रवाह तथा समकालीन नाटक।

Unit IV इकाई IV

15 तासिकाएँ 15 hrs

- कथेतर साहित्य का विकास
- पाठ्यविषय :
  - निबंध साहित्य– उद्भव, विकास
  - यात्रा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र : उद्भव, विकास
  - डायरी, पत्र, रिपार्ताज : उद्भव, विकास

संदर्भ ग्रंथ :

1. आ. शुक्ल रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 2005 वि
2.2. आ. वाजपेयी नंददुलारे हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी,, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,1983 ई
3. डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी,, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,1986 ई
4. डॉ. धवन सुषमा,हिंदी उपन्यास,हिंदी ,उपन्यास, राजकमल प्रकाशन दिल्ली,, प्र.सं.1961 ई
5. डॉ. रजनीश कुमार, हिंदी कहानी के आंदोलनः उपलब्धियाँ और सीमाएँ,नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली प्र.सं. 1986 ई
6. डॉ. राय, विवेकी राय, हिंदी कहानी : समीक्षा और संदर्भ, राजीव प्रकाशन, इलाहाबाद, प्र,सं. 1985 ई
7. डॉ. नगेंद्र, संपा. हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली प्र.सं. 1973 ई
8. श्री. ठाकुर प्रसाद सिंह, हिंदी निबंध और निबंधकार, हिंदी पुस्तक एजेन्सी,, बनारस प्र.सं. 1951 ई
9. डॉ. श्रीवास्तव शिवनारायण, हिंदी उपन्यास, सरस्वती मंदिर, वाराणसी,,1968 ई
10. डॉ. सिंह बच्चन, हिंदी साहित्य का दुसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1998 ई.
11. डॉ. राजे सुमन, हिंदी साहित्य का आधा इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2002
12. डॉ. तिवारी रामचंद्र, हिंदी गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, तृ.सं. 1992 ई
13. डॉ. शर्मा राजपाल, हिंदी वीरकाव्य में सामाजिक जीवन की अभिव्यक्ति, आदर्श साहित्य प्रकाशन, नई दिल्ली,,1974
14. डॉ. जोशी शिवलाल, रीतिकालीन साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, साहित्य सदन, देहरादून,1962

प्रश्नपत्र स्वरुप : 80 : 20 योजना

80 अंक प्रश्नपत्र : 20 अंक अंतर्गत

अंतर्गत 20 अंक

i) मौखिक परीक्षा : 10

ii) गृहपाठ : 10

प्रश्न क्र. 1 बहुविकल्पी प्रश्न – 10	अंक : 20
प्रश्न क्र. 2 लघुत्तरी प्रश्न 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न क्र. 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न क्र. 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
	कुल अंक : 80

एम. ए. भाग I

Semester II सत्र परीक्षा II

Paper VII प्रश्नपत्र VII

बीज प्रश्नपत्र

भाषा विज्ञान

उद्देश्य :

- भाषा विज्ञान के स्वरूप से परिचित कराना ।
- हिंदी ध्वनि तथा उसके वर्गीकरण का अध्ययन कराना।
- हिंदी शब्द समूह या पद के स्वरूप का अध्ययन कराना।
- वाक्य रचना,शब्द क्रम, पदन्विति आदि का अध्ययन कराना।
- शब्दो के अर्थ, उसके परिवर्तन के कारणों का अध्ययन कराना।

Unit I इकाई I — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- ध्वनिविज्ञान
- पाठ्यविषय : पाठ्यविषय :
    - ध्वनिविज्ञान : स्वरुप – परिभाषा आदि वैज्ञानिक आधार
    - वर्गीकरण तथा उसके आधार
    - ध्वनियों कें भेद
    - ध्वनि परिवर्तन–कारण और प्रकार

Unit II इकाई II — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- रूपविज्ञान
- पाठ्यविषय :
    - रूपविज्ञान : स्वरुप का विवेचन
    - शब्द निर्माण प्रक्रिया
    - पद निर्माण प्रक्रिया
    - संबंध तत्त्व के विविध प्रकार कार्य और हिंदी संबंध तत्त्व
    - रूप परिवर्तन के कारण

Unit III इकाई III — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- वाक्य विज्ञान
- पाठ्यविषय :
    - वाक्य विज्ञान : स्वरूप विवेचन
    - वाक्य : आवश्यकता
    - वाक्य : विभाजन
    - वाक्य : प्रकार

Unit IV इकाई IV 15 तासिकाएँ 15 hrs

- अर्थ विज्ञान
- पाठ्यविषय :
  - अर्थ विज्ञान : स्वरुप विवेचन
  - अर्थ विज्ञान के क्षेत्र , अर्थ परिवर्तन की गवेषणा
  - शब्द और अर्थ के संबंध
  - अर्थ परिवर्तन : कारण

संदर्भ ग्रंथ :

1. डॉ. श्रीमाल नेमीचंद, भाषाविज्ञान, श्रुति प्रकाशन, जयपुर,, प्र. सं. 2008
2. डॉ. तिवारी भोलानाथ, भाषाविज्ञान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. डॉ. चाटुर्ज्या सुनीतिकुमार, भाषा विज्ञान,
4. डॉ. तिवारी भोलानाथ, हिंदी भाषा और नागरि लिपि ,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,1992
5. डॉ. जैन महावीरसरन, भाषा एवं भाषाविज्ञान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,1992
6. डॉ. जैन महावीरसरन, परिनिष्ठित हिंदी का रुपग्रामिक अध्ययन, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद,1992
7. डॉ. जैन महावीरसरन, परिनिष्ठित हिंदी का ध्वनिग्रामिक अध्ययन, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद,1992

प्रश्नपत्र स्वरुप : 80 : 20 योजना

80 अंक प्रश्नपत्र : 20 अंक अंतर्गत अंतर्गत 20 अंक

i) मौखिक परीक्षा : 10

ii) गृहपाठ : 10

प्रश्न क्र.	1 बहुविकल्पी प्रश्न – 10	अंक : 20
प्रश्न क्र.	2 लघुत्तरी प्रश्न 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न क्र.	3 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न क्र.	4 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20

कुल अंक : 80

एम. ए. भाग I
Semester II सत्र परीक्षा II
Paper VIII A प्रश्नपत्र VIII A
वैकल्पिक प्रश्नपत्र
हिंदी कथा साहित्य II

उद्देश्य :

- उपन्यासकार तथा उनके उपन्यासों से परिचित कराना और उपन्यासों का सूक्ष्म अध्ययन कराना।
- नाटककार तथा उनकी नाटयकृतियों से परिचित कराना और सूक्ष्म अध्ययन कराना।
- कहानीकार तथा उनके कहानी साहित्य से परिचित कराना और कहानियों का सूक्ष्म अध्ययन कराना।
- युगीन परिवेश तथा नाट्यविकास, प्रवृत्तियों–विशषताओं से परिचित कराना।
- वर्तमान काल में पठित नाटककार तथा उपन्यासकार एवं उनकी रचनाओं के महत्त्व से परिचित कराना।
- युगीन परिवेश तथा उपन्यास,नाटक,कहानी साहित्य के विकास, प्रवृत्तियों–विशषताओं से परिचित कराना।

Unit I इकाई I — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- पाठ्यपुस्तक : बाणभट्ट की आत्मकथा, आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
- ससंदर्भ के लिये – बाणभट्ट की आत्मकथा, आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
- पाठ्यविषय
  - हिंदी उपन्यास और आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
  - बाणभट्ट की आत्मकथा : कथ्य तथा शिल्प सौदर्य
  - समीक्षा के मानदंडों के आधार पर अध्ययन

Unit II इकाई II — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- पाठ्यपुस्तक : मैला आँचल : फणीश्वरनाथ रेणु
- ससंदर्भ के लिये – मैला आँचल, फणीश्वरनाथ रेणु
- पाठ्यविषय :
  - हिंदी आँचलिक उपन्यास और फणीश्वरनाथ रेणु
  - मैला आँचल : उपन्यास के तत्वों के आधार पर अध्ययन
  - समीक्षा के विविध मानदंडों के आधार पर अध्ययन

Unit III इकाई III — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- पाठ्यपुस्तक : आधे अधूरे : मोहन राकेश
- ससंदर्भ के लिये – आधे अधूरे : मोहन राकेश
- पाठ्यविषय
  - हिंदी नाटक और मोहन राकेश
  - नाटक और तत्त्वों के आधार पर अध्ययन
  - समीक्षा के मानदंडों के आधार पर अध्ययन

Unit IV इकाई IV

15 तासिकाएँ 15 hrs

- पाठ्यपुस्तक : खुले आकाश के नीचे, नमिता सिंह
- ससंदर्भ के लिये : खुले आकाश के नीचे, नमिता सिंह
- पाठ्यविषय :
    - हिंदी कहानी – उद्भव, विकास, विशेषताएँ
    - खुले आकाश के नीचे : कथ्य तथा शिल्प सौदर्य
    - समीक्षा के मानदंडों के आधार पर अध्ययन

संदर्भ ग्रंथ :

1. डॉ. श्रीवास्तव शिवनारायण, हिंदी उपन्यास, सरस्वती मंदिर, वाराणसी,,1968 ई
2. डॉ धवन सुषमा, हिंदी उपन्यास, राजकमल प्रकाशन,दिल्ली,,1961 ई
3. डॉ. नवलकिशोर, आधुनिक हिंदी उपन्यास और मानवीय अर्थवत्ता, प्रकाशन संस्था, दिल्ली
4. डॉ. साहनी भीष्म, मिश्रराम जी (संपा.) आधुनिक हिंदी उपन्यास, जाकिर हुसेन कॉलेज,दिल्ली
5. डॉ. सिद्धनाथ कुमार, प्रसाद के नाटक, दि मॅकमिलन कंपनी और इंडिया प्रा. लि. नई दिल्ली
6. डॉ. सिंह बच्चन, हिंदी नाटक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. डॉ. रस्तोगी गिरीश, समकालीन नाटककार, इंद्रप्रस्थ प्रकाशन दिल्ली 1982
8. डॉ. तिवारी रामचंद्र, हिंदी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, इलाहाबाद, तृ.सं.1992 ई.
9. डॉ. शर्मा जगन्नाथ प्रसाद, प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, सरस्वती मंदिर, वाराणसी,,1943 ई.
10. डॉ. रस्तोगी गिरीश, समकालीन हिंदी नाटक के संघर्ष चेतना, हरियाणा साहित्य अकादमी,, चंदीगढ, 1989 ई.
11. डॉ. मिश्र विश्वनाथ, हिंदी नाटक पर पाश्चात्य प्रभाव,लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद,1966 ई.
12. डॉ. चतुर्वेदी रामस्वरुप, हिंदी गद्य : विन्यास और विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,1999
13. आ. द्विवेदी हजारीप्रसाद , बाणभट्ट की आत्मकथा , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
14. रेणु फणीश्वरनाथ, मैला आँचल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
15. मोहन राकेश, आधे अधूरे,
16. सिंह नमिता, खुले आकाश के नीचे, नवचेतन प्रकाशन, नई दिल्ली 2005

प्रश्नपत्र स्वरुप : 80 : 20 योजना

80 अंक प्रश्नपत्र : 20 अंक अंतर्गत

अंतर्गत 20 अंक

i) मौखिक परीक्षा : 10

ii) गृहपाठ : 10

प्रश्न क्र. 1 बहुविकल्पी प्रश्न – 10	अंक : 20
प्रश्न क्र. 2 ससंदर्भ व्याख्या अथवा लघुत्तरी प्रश्न 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न क्र. 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न क्र. 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20

कुल अंक : 80

एम. ए. भाग I
Semester II सत्र परीक्षा II
Paper VIII B प्रश्नपत्र VIII B
वैकल्पिक प्रश्नपत्र
भाषा प्रौद्योगिकी II

उद्देश्य :

- संगणक संबंधित कार्यों का अध्ययन कराना।
- हिंदी भाषा प्रौद्योगिकी का अध्ययन कराना।
- भारतीय भाषा प्रौद्योगिकी का अध्ययन कराना।
- मायक्रोसॉफ्ट ऑफिस तथा विंडोज वातावरण , एक्सपी आदि का अध्ययन कराना ।

Unit I इकाई I — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- मायक्रोसॉफ्ट ऑफिस
- पाठ्यविषय :
  - मायक्रोसॉफ्ट ऑफिस (फाईल निर्माण, सुरक्षा, पेज सेटप, इंटरनेट का प्रयोग आदि.)
  - मायक्रोसॉफ्ट ऑफिस के विविध वर्जन्स का अध्ययन
  - मायक्रोसॉफ्ट ऑफिस हिदीं के विविध वर्जन्स का अध्ययन

Unit II इकाई II — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- हिंदी भाषा प्रौद्योगिकी का अध्ययन
- पाठ्यविषय :
  - प्रौद्योगिकी – अर्थ, स्वरूप,कार्य
  - संगणक साधित हिंदी भाषा प्रौद्योगिकी
  - अक्षर, शब्दमाला, आलेख,मल्टीवर्ड, सुलेख, शब्दरत्न, भारती आदि का अध्ययन

Unit I इकाई III — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- भारतीय भाषा प्रौद्योगिकी का अध्ययन
- पाठ्यविषय :
  - भारतीय भाषाएँ और उनकी लिपियाँ
  - संगणक साधित भारतीय भाषा प्रौद्योगिकी
  - संगणक साधित भारतीय भाषाएँ और उनकी लिपियाँ

Unit I इकाई IV — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- विंडोज वातावरण और एम.एस.डॉस ऑपरेटिंग सिस्टम
- पाठ्यविषय :
  - विंडोज वातावरण का अध्ययन
  - एम.एस.डॉस का अध्ययन
  - विंडोज के विविध वर्जन्स तथा उनका कार्य
  - विंडोज के विविध वर्जन्स के बदलाव , विकास तथा अंतर का अध्ययन (लाभ, नुकसान)

संदर्भ ग्रंथ :

1. आ. वाजपेयी किशोरीदास ,भारत की भाषाएँ, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. डॉ. विनोद प्रसाद, भाषा और प्रौद्योगिकी ,वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. रामबंसल 'विज्ञानाचार्य',कम्प्युटर सूचना प्रणाली विकास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. डॉ. मल्होत्रा विजयकुमार, कम्प्युटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. डॉ. दीक्षित सूर्यप्रसाद भाषा प्रौद्योगिकी, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली

प्रश्नपत्र स्वरुप : 80 : 20 योजना

80 अंक प्रश्नपत्र : 20 अंक अंतर्गत — अंतर्गत 20 अंक

i) मौखिक परीक्षा : 10

ii) गृहपाठ : 10

प्रश्न क्र. 1 बहुविकल्पी प्रश्न – 10	अंक : 20
प्रश्न क्र. 2 लघुत्तरी प्रश्न 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न क्र. 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न क्र. 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
	कुल अंक : 80

एम. ए. भाग II
Semester III सत्र परीक्षा III
Paper IX प्रश्नपत्र IX
बीज प्रश्नपत्र
आधुनिक हिंदी कविता I

उद्देश्य :

- छात्रों को आधुनिक कवियों एवं उनकी काव्यकृतियों से परिचित कराना।
- आधुनिक हिंदी कविता का विकास, समसामायिक परिवेश तथा काव्य प्रवृत्तियाँ तथा काव्यरूपों का अध्ययन कराना।
- प्रमुख आधुनिक कवियों की काव्यकृतियों या कविताओं का अध्ययन कराना।
- पठित कवि तथा काव्यकृतियों के महत्त्व से परिचित कराना ।

Unit I इकाई I — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- पाठ्यपुस्तक : 'कामायनी', कवि जयशंकर प्रसाद
- ससंदर्भ के लिये : श्रद्धा, इडा सर्ग
- पाठ्यविषय :
  - छायावादी कविता और जयशंकर प्रसाद
  - महाकाव्य के आधार पर 'कामायनी' का अध्ययन
  - समीक्षा के विविध मानदंडों के आधार पर अध्ययन

Unit III इकाई II — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- पाठ्यपुस्तक : 'अपरा' कवि निराला
- ससंदर्भ के लिये : बादल राग, संध्यासुंदरी , तोडती पत्थर, राम की शक्तिपूजा, सरोजस्मृति ,कुकुरमुत्ता
- पाठ्यविषय :
  - छायावादी तथा प्रगतिवादी कविता और कवि निराला
  - निराला की कविता : कथ्य तथा शिल्प सौदर्य
  - समीक्षा के विविध मानदंडों के आधार पर अध्ययन

Unit III इकाई III — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- पाठ्यपुस्तक : ' यामा ' (नीहार, रश्मि, नीरजा, सांध्यगीत) कवयित्री महादेवी वर्मा
- ससंदर्भ के लिये : कविताएँ – वे मुस्काते फूल नहीं, अश्रु ने सीमित, धीरे–धीरे उतर क्षितिज से, लाये कौन संदेश नये घन, मैं नीरभरी दुख की बदली , कीर का प्रिय आज जिर खोल दो
- पाठ्यविषय :
  - छायावादी कविता और महादेवी वर्मा
  - महादेवी की कविता : कथ्य तथा शिल्प सौदर्य
  - समीक्षा के विविध मानदंडों के आधार पर अध्ययन

Unit IV इकाई IV

- पाठ्यपुस्तक : प्रतिनिधि कविताएँ : नागार्जुन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- ससंदर्भ के लिये : सिंदूर तिलकित भाल, उनको प्रणाम , बहुत दिनों के बाद , प्रेत का बयान , मास्टर , अकाल और उसके बाद ,
- पाठ्यविषय :
  - प्रगतिवादी कविता और नागार्जुन
  - नागार्जुन की कविता : कथ्य और शिल्प सौंदर्य
  - समीक्षा के विविध मानदंडों के आधार पर अध्ययन

संदर्भ ग्रंथ :

1. डॉ. तिवारी विश्वनाथ प्रसाद, आधुनिक हिंदी कविता, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,, 1998
2. डॉ. भदौरीया कौशलेंद्रसिंह, आधुनिक प्रातिनिधि महाकाव्य, साहित्य रत्नालय, कानपुर
3. डॉ. सिंह नामवर,छायावाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,, 1998
4 डॉ, माचवे प्रभाकर, जयशंकर प्रसाद, राजपाल ॲण्ड सन्स, नई दिल्ली,, 1990
5. डॉ. जैन विमलकुमार, 'कामायनी' चिन्तन, भारती साहित्य मंदिर, दिल्ली,, 1988
6. मुक्तिबोध, कामायनी : एक पुनर्विचार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,, 1998
7. डॉ.शंभुनाथ, मिथक और आधुनिक कविता, नॅशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली
8. डॉ. भाटी देशराजसिंह, 'कामायनी की टीका, अशोक प्रकाशन, दिल्ली,, 1996
9. डॉ. शर्मा रामविलास, निराला की साहित्य साधना (तीन खंड), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,, 1998
10. डॉ. नवल नंदकिशोर, निराला और मुक्तिबोध,(लंबी कविताएँ) राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,, 1998
11. डॉ. भाटी देशराजसिंह, 'निराला और उनकी अपरा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली,, 1993
12. डॉ. मिश्र भगीरथ, निराला काव्य का अध्ययन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
13. डॉ. राय नंदकुमार, छायावाद और महादेवी, ग्रंथोदय, पटना,1966
14. डॉ. कुमार विमल, महादेवी का काव्यसौष्ठव, अनुपम प्रकाशन, पटना,1983
15. डॉ. तुलसम्मा, महादेवी वर्मा की कविता में सौदर्य भावना, सूर्य प्रकाशन, दिल्ली,,1984
16. डॉ. गंगाप्रसाद पांडेय, महीयसी महादेवी,, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,1969
17. पंत सुमित्रानंदन, जोशी शांति,महादेवी संस्मरण ग्रंथ, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,1967
18. प्रसाद जयशंकर, कामायनी', विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ,1998
19. निराला, 'अपरा', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,,1994
20. वर्मा महादेवी, 'यामा , भारती भंडार, प्रयाग, नई दिल्ली,, 1998
21. डॉ. सिंह नामवर , प्रतिनिधि कविताएँ : नागार्जुन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली , 11 वाँ सं. 2009

प्रश्नपत्र स्वरुप : 80:20 योजना

80 अंक प्रश्नपत्र : 20 अंक अंतर्गत अंतर्गत 20 अंक i) मौखिक परीक्षा : 10 ii) गृहपाठ : 10

प्रश्न क्र. 1 बहुविकल्पी प्रश्न – 10	अंक : 20
प्रश्न क्र. 2 ससंदर्भ व्याख्या अथवा लघुत्तरी प्रश्न 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न क्र. 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न क्र. 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
	कुल अंक : 80

एम. ए. भाग II
Semester III सत्र परीक्षा III
Paper X प्रश्नपत्र X
बीज प्रश्नपत्र

भारतीय काव्यशास्त्र और समालोचना

उद्देश्य :

- भारतीय काव्यशास्त्र के स्वरूप का परिचय कराना।
- काव्यशास्त्र के लिये संस्कृत में प्रचलित नामों से परिचय कराना।
- समालोचना के स्वरुप का परिचय कराना।
- साहित्य के स्वरुप, प्रेरणा, प्रयोजन या उद्‌देश्य, काव्य रुप प्रभाव, उपदान आदि को लेकर देश में हुए गंभीर चिंतन का अध्ययन कराना।
- मौलिक सिद्‌धांत – रस, अलंकार,रीति, वक्रोक्ति, ध्वनि आदि का अध्ययन कराना जिससे साहित्यिक कृति के लिये आलोचक को एक दिशा और दृष्टि प्राप्त हों।
- समालोचना के भिन्न–भिन्न रूपों का परिचय कराके रचनाकर्म की सामाजिक/सांस्कृतिक उपयोगिता में निहित उसके महत्त्व का अध्ययन कराना।

Unit I इकाई I — 15 तासिकाएँ 15 hrs
काव्य का स्वरुप : विवेचन

- पाठ्‌यविषय :
  - काव्य के स्वरुप संबंधी प्राचीनकाल से लेकर आज तक भारतीय विचारों का अध्ययन
  - भारतीय आचार्यों द्‌वारा स्थापित काव्य हेतुओं का तथा प्रयोजनों का अध्ययन
  - शब्द और अर्थ के संबंध निरुपण तथा शब्दशक्तियों की सत्ता एवम् महत्ता का अध्ययन।

Unit II इकाई II — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- भारतीय काव्यशास्त्र विकास के सोपान
- पाठ्‌यविषय :
  - रससिद्‌धान्त : स्वरूप, विवेचन
  - अलंकार सिद्‌धान्त : स्वरूप, विवेचन
  - रीति सिद्‌धान्त : स्वरुप, विवेचन

Unit III इकाई III — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- भारतीय काव्यशास्त्र विकास के सोपान
- पाठ्‌यविषय :
  - वक्रोक्ति सिद्‌धान्त : स्वरूप, विवेचन
  - ध्वनि सिद्‌धान्त : स्वरूप, विवेचन
  - औचित्य सिद्‌धान्त : स्वरूप, विवेचन

Unit IV इकाई IV

15 तासिकाएँ 15 hrs

- हिंदी समालोचना
- पाठ्यविषय :
  - प्रारंभ , विकास, प्रकार तथा प्रवृत्तियाँ
  - प्रमुख आलोचक आ.शुक्ल तथा उनकी आलोचना
  - आ.शुक्लोत्तर आलोचना के प्रमुख आलोचक – आ. नंददुलारे वाजपेयी,, आ. हप्र.द्विवेदी,, नगेंद्र शर्मा, रामविलास शर्मा

संदर्भ ग्रंथ :

1. डॉ. मिश्र भगीरथ, भारतीय काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,,1993
2. डॉ. गुप्त शांतिस्वरुप, भारतीय काव्यशास्त्र, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली,,सप्तम सं.1990
3. डॉ. नगेंद्र, भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली,,1953
4. डॉ नगेंद्र, रस सिद्धान्त, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली,,द्वितीय संस्करण,1969
5. आ.शुक्ल रामचंद्र, रस मिमांसा, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी,, द्वतीय संस्करण,संम्वत् 2011 वि
6. पटेल मूलजीभाई, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली,,2001
7. त्रिपाठी राममूर्ति, भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,, 2001

प्रश्नपत्र स्वरुप : 80:20 योजना

80 अंक प्रश्नपत्र : 20 अंक अंतर्गत

अंतर्गत 20 अंक

i) मौखिक परीक्षा : 10

ii) गृहपाठ : 10

प्रश्न क्र.	1 बहुविकल्पी प्रश्न – 10	अंक : 20
प्रश्न क्र.	2 लघुत्तरी प्रश्न 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न क्र.	3 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न क्र.	4 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
		कुल अंक : 80

एम. ए. भाग II
Semester III सत्र परीक्षा III
Paper XI प्रश्नपत्र XI
बीज प्रश्नपत्र
प्रयोजनमूलक हिंदी (I)

उद्‌देश्य :

- आधुनिक हिंदी के विविध रुपों से परिचित कराना।
- प्रयोजनमूलक हिंदी के स्वरुप तथा कार्यालयीन गतिविधियों में हिंदी के प्रयोग का अध्ययन कराना।
- ज्ञान विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रो तथा उनमें हिंदी प्रयोग का अध्ययन कराना।

Unit I इकाई I — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- आधुनिक हिंदी के विविध रूप
- पाठ्‌यविषय :
  - सामान्य हिंदी
  - राष्ट्रभाषा हिंदी
  - राजभाषा हिंदी – संकल्पना, विकास, अधिनियम, त्रिभाषा सूत्र
  - संपर्क भाषा , कोड मिश्रण, कोड परिवर्तन

Unit II इकाई II — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- प्रयोजनमूलक हिंदी
- पाठ्‌यविषय :
  - प्रयोजनमूलक हिंदी : स्वरुप तथा विविध क्षेत्र
  - कार्यालयीन गतिविधियाँ और हिंदी : प्रारुपण, संक्षेपण, कार्यवृत्त, अनुवाद

Unit III इकाई III — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- प्रयोजनमूलक हिंदी : ज्ञानविज्ञान के विभिन्न क्षेत्र और हिंदी
- पाठ्‌यविषय :
  - जनसंचार और हिंदी
  - विज्ञापन और हिंदी
  - वाणिज्य–वित्त , बैंकिग और हिंदी
  - विज्ञान, तकनीकी और प्रौद्‌यागिकी और हिंदी

Unit III इकाई III — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- प्रयोजनमूलक हिंदी : ज्ञानविज्ञान के विभिन्न क्षेत्र और हिंदी
- पाठ्‌यविषय :
  - संगणक और हिंदी
  - यातायात सुविधा / परिवहन व्यवस्था और हिंदी
  - विधि–न्याय व्यवस्था कार्य और हिंदी
  - सुरक्षा व्यवस्था कार्य और हिंदी

संदर्भ ग्रंथ :

1. हरिबंसल, कार्यालयी कार्याबोध, प्रभात प्रकाशन,दिल्ली
2. डॉ. तिवारी भोलानाथ एवं डॉ. कुलश्रेष्ठ विजय, प्रारुपण, टिप्पण, प्रपठन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,
3. डॉ. पातंजलि, प्रेमचंद, व्यावसायिक हिंदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,,1998
4. डॉ. त्रिपाठी रमेशचंद्र, प्रयोजनमूलक हिंदी विविध परिदृश्य, अलका प्रकाशन, कानपुर
5. रामबंसल 'विज्ञाचार्य', कम्पुटर : सुचना प्रणाली विकास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,,1998
6. मल्होत्रा विजयकुमार, कम्पुटर का भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,,
7. राजकमल बोरा, भारत की भाषावाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,,1998
8. शिवनारायण चतुर्वेदी,, टिप्पणी–प्रारुप,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,,1998
9. डॉ. तिवारी भोलानाथ, कुलश्रेष्ठ विजय, प्रारुपण, टिप्पण, प्रफ्टइन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,, 1998
10. गोदरे विनोद, प्रयोजनमुलक हिंदी,, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,, 1998
11. डॉ. भाटिया कैलाशचंद्र,राजभाषा हिंदी,, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,,1998
12. डॉ. रामप्रकाश, डॉ. दिनेश गुप्त, प्रयोजनमूलक हिंदी,, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली,, 2000
13. डॉ. मलिक मोहम्मद, राजभाषा हिंदी,, प्रविण प्रकाशन, नई दिल्ली,, 1996
14. प्रभुदयाल मढ़इया विकल, कार्यालयीन हिंदी,, प्रविण प्रकाशन, नई दिल्ली,, 1996

प्रश्नपत्र स्वरुप : 80:20 योजना

80 अंक प्रश्नपत्र : 20 अंक अंतर्गत

अंतर्गत 20 अंक

i) मौखिक परीक्षा : 10

ii) गृहपाठ : 10

प्रश्न क्र. 1 बहुविकल्पी प्रश्न – 10	अंक : 20
प्रश्न क्र. 2 ससंदर्भ व्याख्या अथवा लघुत्तरी प्रश्न 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न क्र. 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न क्र. 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
	कुल अंक : 80

एम. ए. भाग II
Semester III सत्र परीक्षा III
Paper XIII A प्रश्नपत्र XIII A
वैकल्पिक प्रश्नपत्र
कथेतर साहित्य I

उद्देश्य :

- कथेतर साहित्य के उद्भव तथा विकास से परिचित कराना।
- कथेतर साहित्य के विभिन्न रूपों से परिचित कराना।
- कथेतर साहित्य के प्रमुख रचनाकारों तथा कृतियों का सूक्ष्म अध्ययन कराना।
- पठित रचनाकारों तथा उनकी रचनाओं के वर्तमान कालीन महत्त्व से परिचित कराना।

Unit I इकाई I — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- पाठ्यपुस्तक : 'पथ के साथी', महादेवी वर्मा, (संस्मरण)
- ससंदर्भ के लिये : पथ के साथी
- पाठ्यविषय :
  - संस्मरण : स्वरूप, विकास, प्रवृत्तियाँ
  - 'पथ के साथी ': समग्र अध्ययन
  - समीक्षा के विविध मानदंडों के आधार पर अध्ययन

Unit II इकाई II — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- पाठ्यपुस्तक : 'सिंहावलोकन', यशपाल
- ससंदर्भ के लिये : सिंहावलोकन
- पाठ्यविषय :
  - संस्मरण तथा आत्मकथा : स्वरूप, विकास, प्रवृत्तियाँ
  - सिंहावलोकन : समग्र अध्ययन
  - समीक्षा के विविध मानदंडों के आधार पर अध्ययन

Unit III इकाई III — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- पाठ्यपुस्तक : 'कलम का सिपाही', अमृतराय
- ससंदर्भ के लिये : कलम का सिपाही
- पाठ्यविषय :
  - जीवनी : स्वरूप, विकास, प्रवृत्तियाँ
  - ' कलम का सिपाही ' : समग्र अध्ययन
  - समीक्षा के विविध मानदंडों के आधार पर अध्ययन

Unit IV इकाई IV

15 तासिकाएँ 15 hrs

- पाठ्यपुस्तक : तटपर हूँ तटस्थ नहीं, कुँवरनारायण (साक्षात्कार)
- ससंदर्भ के लिये : तटपर हूँ तटस्थ नहीं
- पाठ्यविषय :
    - साक्षात्कार : स्वरूप, विकास, प्रवृत्तियाँ
    - 'तटपर हूँ तटस्थ नहीं' : समग्र अध्ययन
    - समीक्षा के विविध मानदंडों के आधार पर अध्ययन

संदर्भ ग्रंथ :

1. वर्मा महादेवी, पथ के साथी', (संस्मरण), लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद,1956
2. यशपाल, सिंहावलोकन, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद,1964
3. अमृतराय, कलम का सिपाही,
4. कुँवरनारायण, तटपर हूँ तटस्थ नहीं, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. तिवारी रामचंद्र हिंदी गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी, सं. 1998

प्रश्नपत्र स्वरुप : 80:20 योजना

80 अंक प्रश्नपत्र : 20 अंक अंतर्गत — अंतर्गत 20 अंक

i) मौखिक परीक्षा : 10

ii) गृहपाठ : 10

प्रश्न क्र. 1 बहुविकल्पी प्रश्न – 10	अंक : 20
प्रश्न क्र. 2 ससंदर्भ व्याख्या अथवा लघुत्तरी प्रश्न 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न क्र. 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न क्र. 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
	कुल अंक : 80

एम. ए. भाग I
Semester III सत्र परीक्षा III
Paper XII B प्रश्नपत्र XII B
वैकल्पिक प्रश्नपत्र
भाषा प्रौद्योगिकी III

उद्देश्य :

- मानक हिंदी एनकोडिंग का परिचय कराना।
- राजभाषा विभाग के भाषा सॉफ्टवेयर्स की जानकारी देना।
- हिंदी के संगणकीय प्रयोग से परिचित कराना।
- लिनक्स आपरेटिंग सिस्टम का परिचय कराना।

Unit I इकाई I — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- मानक हिंदी एनकोडिंग
- पाठ्यविषय :
  - युनिकोड – लाभ, संगणक की द्विभाषी सुविधा, नोट पैड, वर्ड पैड – में हिंदी भाषा का प्रयोग
  - फॉन्ट तथा मुद्रण संबंधी सुविधाएँ तथा समस्याएँ
  - हिंदी युनिकोड फॉन्ट सक्रीयता, की बोर्ड

Unit II इकाई II — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- राजभाषा विभाग के भाषा सॉफ्टवेयर्स
- पाठ्यविषय :
  - लीला,मंत्र तथा श्रुतलेखन का अध्ययन
  - हिंदी और भारतीय भाषाओं के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विकसित साफ्टवेयर्स
  - इज्म, इस्की, देवरत्न

Unit I इकाई III — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- हिंदी का संगणक प्रयोग
- पाठ्यविषय :
  - विविध हिंदी सॉफ्टवेयर तथा फॉन्ट में टंकन अध्ययन
  - नॉन युनिकोड हिंदी सामग्री का युनिकोड में परिवर्तन संबंधी साफ्टवेयर का अध्ययन तथा उपयोग
  - नॉन युनीकोड हिंदी सामग्री का यूनिकोड में परिवर्तन संबंधी विविध साफ्टवेयर

Unit I इकाई IV — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- लिनक्स आपरेटिंग सिस्टम तथा युनिक्स का अध्ययन
- पाठ्यविषय :
  - हिंदी और लिनक्स आपरेटिंग सिस्टम
  - भारतीय भाषाएँ लिनक्स आपरेटिंग सिस्टम
  - युनिक्स

संदर्भ ग्रंथ :

1. आ. वाजपेयी किशोरीदास ,भारत की भाषाएँ, वाणी प्रकाशन, दिल्ली सं.2010
2. डॉ. विनोद प्रसाद, भाषा और प्रौद्योगिकी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली सं.2006
3. रामबंसल 'विज्ञानाचार्य',कम्प्युटर सूचना प्रणाली विकास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली सं.2010
4. डॉ. मल्होत्रा विजयकुमार, कम्प्युटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, दिल्ली सं.2008
5. डॉ. दीक्षित सूर्यप्रसाद , भाषा प्रौद्योगिकी, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली सं. 2005

प्रश्नपत्र स्वरुप : 80:20 योजना

80 अंक प्रश्नपत्र : 20 अंक अंतर्गत — अंतर्गत 20 अंक

i) मौखिक परीक्षा : 10

ii) गृहपाठ : 10

प्रश्न क्र. 1	बहुविकल्पी प्रश्न – 10	अंक : 20
प्रश्न क्र. 2	लघुत्तरी प्रश्न 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न क्र. 3	दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न क्र. 4	दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
		कुल अंक : 80

एम. ए. भाग II
Semester IV सत्र परीक्षा IV
Paper XIII प्रश्नपत्र XIII
बीज प्रश्नपत्र
आधुनिक हिंदी कविता II

उद्देश्य :

- छात्रों को आधुनिक कवीयों एवं उनकी काव्यकृतियों से परिचित कराना।
- समसामयिक परिवेश, आधुनिक हिंदी कविता की विकास प्रक्रिया, कविता प्रवृत्तियाँ तथा परिवर्तिज काव्यरुपों का अध्ययन कराना।
- प्रमुख आधुनिक कवियों की काव्यकृतियों या कविताओं का अध्ययन कराना।
- पठित कवि तथा काव्यकृतियों कें महत्त्व से परिचित कराना।

Unit II इकाई I — 15 तासिकाएँ 15 hrs
- पाठ्यपुस्तक : अज्ञेय : प्रतिनिधि कविताएँ
- ससंदर्भ के लिये : हमने पौधे से कहा, बावरा अहेरी ,असाध्यवीणा, नदी के द्वीप, एक सन्नाटा बुनता हूँ , कितनी नावों में कितनी बार
- पाठ्यविषय :
    - प्रयोगवादी और नई कविता और अज्ञेय
    - अज्ञेय की कविता : कथ्य और शिल्प सौंदर्य
    - समीक्षा के विविध मानदंडों के आधार पर अध्ययन

Unit II इकाई II — 15 तासिकाएँ 15 hrs
- पाठ्यपुस्तक : प्रतिनिधि कविताएँ : मुक्तिबोध
- ससंदर्भ के लिये : अंधेरे में, ब्रह्मराक्षस, चांद का मुँह टेढा है , लकडी का रावण
- पाठ्यविषय :
    - नई कविता और मुक्तिबोध
    - मुक्तिबोध की कविता : लंबी कविता , रचना प्रक्रिया, कथ्य और शिल्प सौंदर्य
    - समीक्षा के विविध मानदंडों के आधार पर अध्ययन

Unit IV इकाई III
- पाठ्यपुस्तक : आत्मजयी – खंडकाव्य
- ससंदर्भ के लिये : आत्मजयी – खंडकाव्य
- पाठ्यविषय : कुँवरनारायण
    - नई तथा समकालीन कविता और कुँवरनारायण
    - आत्मजयी : कथ्य और शिल्प सौंदर्य
    - समीक्षा के विविध मानदंडों के आधार पर अध्ययन

Unit IV इकाई IV
- पाठ्यपुस्तक : प्रतिनिधि कविताएँ : कवि रघुवीर सहाय
- ससंदर्भ के लिये : हमने यह देखा, आत्महत्या के विरुद्ध, पानी पानी ,लोग भूल गये हैं ,आज की कविता,बडे देशों की राजनीति,

- पाठ्यविषय :
  - समकालीन कविता और रघुवीर सहाय
  - रघुवीर सहाय की कविता : कथ्य और शिल्प सौंदर्य
  - समीक्षा के विविध मानदंडों के आधार पर अध्ययन

संदर्भ ग्रंथ :

1. डॉ. श्रीवास्तव परमानंद, समकालीन कविता का यथार्थ, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंदीगढ,1998
2. डॉ. राय लल्लन, हिंदी की प्रगतिशील कविता का यथार्थ, हरियाना साहित्य अकादमी,, चंदीगढ,1998
3. डॉ. राणजीत, हिंदी के प्रगतिशील और समकालीन कवि, साहित्य रत्नालय, कानपुर,2001
4. डॉ. चतुर्वेदी रामस्वरुप प्रसाद, निराला, अज्ञेय, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद,1983
5. डॉ. तिवारी संतोषकुमार,, नये कवि एक अध्ययन, भारतीय ग्रंथ निकेतन भाग–1,1989
6. डॉ. तिवारी अजय, नागार्जुन की कविता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. मंडलाई लीलाधर (संपा.), कविता के सौबरस, शिल्पायन,2001
8. तिवारी विश्वनाथप्रसाद, आधुनिक हिंदी कविता, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,,1999
9. तिवारी विश्वनाथप्रसाद, आधुनिक हिंदी कविता, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,,1999
10. डॉ. मिश्र राजेंद्र प्रसाद, आधुनिक हिंदी काव्य, ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर,,1966
11. डॉ. नगेन्द्र, आधुनिक हिंदी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, गौतम बुक डेपो, दिल्ली
12. डॉ. जैन निर्मला, अंतस्तल का पूरा विप्लव, अंधेरे में, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली,,1999
13. डॉ. सिंह वीरेंद्र, मुक्तिबोध : काव्य का तथा परिप्रेक्ष्य, पंचशील प्रकाशन, जयपुर,1978
14. मुक्तिबोध, नई कविता का आत्मसंघर्ष, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली,, 1999
15. डॉ. शर्मा रामविलास, नई कविता और अस्तित्ववाद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली,,1998
16. डॉ. हुकुमचंद राजपाल, मुक्तिबोध की काव्यचेतना और मूल्यसंकल्प, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,,1985
17. डॉ. ठाकुर संपत, मुक्तिबोध पुनर्मूल्यांकन, प्रगति प्रकाशन, आगरा
18. डॉ.अवस्थी ओमप्रकाश, नयी कविता : रचना प्रक्रिया, पुस्तक संस्थान, कानपुर
19. डॉ. विद्यानिवास मिश्र , संपा. अज्ञेय : प्रतिनिधि कविताएँ ,राजपाल एण्ड सन्स, नई दिल्ली
20. डॉ. जैन नेमिचंद्र ,संपा. प्रतिनिधि कविताएँ : मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ,1994
21. डॉ. सुरेश शर्मा, प्रतिनिधि कविताएँ : कवि रघुवीर सहाय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली , द्वि. सं. 2006

प्रश्नपत्र स्वरुप : 80:20 योजना

80 अंक प्रश्नपत्र : 20 अंक अंतर्गत

अंतर्गत 20 अंक

i) मौखिक परीक्षा : 10

ii) गृहपाठ : 10

प्रश्न क्र. 1 बहुविकल्पी प्रश्न – 10	अंक : 20
प्रश्न क्र. 2 ससंदर्भ व्याख्या अथवा लघुत्तरी प्रश्न 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न क्र. 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न क्र. 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
	कुल अंक : 80

एम. ए. भाग II
Semester IV सत्र परीक्षा IV
Paper XIV प्रश्नपत्र XIV
बीज प्रश्नपत्र
पाश्चात्य काव्यशास्त्र, साहित्य सिद्धांत और विचारधाराएँ

उद्देश्य :

- साहित्य के स्वरूप, प्रेरणा, प्रयोजन या उद्देश्य, काव्यरुप, प्रभाव, उपादान आदि को लेकर विदेश में हुए गंभीर चिंतन का अध्ययन कराना।
- काव्यप्रेरणा सिद्धान्त, अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत, त्रासदी तत्त्व, उदात्त सिद्धांत, काव्यभाषा सिद्धांत आदि का अध्ययन कराना जिससे साहित्यिक कृति के लिये आलोचक को एक दिशा और दृष्टि प्राप्त हों ।
- पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत और विचारधाराओं का अध्ययन कराना।

Unit I इकाई I — 15 तासिकाएँ 15 hrs

काव्य का स्वरूप : विवेचन

- पाठ्यविषय :
  - काव्य के स्वरूप संबंधी प्राचीन काल से लेकर आज तक पाश्चात्य विचारों का अध्ययन।
  - पाश्चात्य आचार्यों द्वारा स्थापित काव्य हेतुओं का तथा प्रयोजनों का अध्ययन।
  - पाश्चात्य आचार्यों के काव्य प्रेरणा संबंधी सिद्धान्तों का अध्ययन।

Unit II इकाई II — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- पाश्चात्य काव्यशास्त्र
- पाठ्यविषय :
  - प्लूतो का अनुकरण सिद्धान्त
  - अरस्तू का विरेचन सिद्धान्त, त्रासदी विवेचन
  - लांजायनस का उदात्त सिद्धान्त

Unit III इकाई III — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- पाश्चात्य विचारधाराएँ
- पाठ्यविषय :
  - आइ.ए.रिचर्डस का मूल्य सिद्धान्त और काव्य भाव सिद्धान्त
  - टी..एस.इलियट का निर्वैयक्तिकता सिद्धान्त और परंपरा सिद्धान्त
  - वर्डसवर्थ का काव्यभाषा सिद्धान्त और कॅलरिज की कल्पना और फैण्टसी

Unit IV इकाई IV — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- पाश्चात्य समालोचना
- पाठ्यविषय :
  - स्वच्छंदतावाद, अभिजात्यवाद तथा नवअभिजात्यवाद
  - मार्क्सवाद, यथार्थवाद, अस्तित्ववाद
  - संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, उत्तर आधुनिकता विखण्डन्वाद

संदर्भ ग्रंथ :

1. डॉ. मिश्र भगीरथ, पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धान्त वाद, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,,1993
2. डॉ. गुप्त शांतिस्वरूप, पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली,,सप्तम सं.1990
3. जैन निर्मला, बॉठिया कुसुम, पाश्चात्य साहित्य चिंतन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2001
4. डॉ.वमा रवीन्द्रसहाय ं, पाश्चात्य साहित्यालोचन और हिन्दी पर उसका प्रभाव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर प्र सं.1960
5. डॉ. सिन्हा सावित्री, पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा, हिंदी विभाग, दिल्ली वि.वि. तीसरा संस्करण , 1972
6. डॉ.पटेल मूलजी भाई, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2001

प्रश्नपत्र स्वरुप : 80:20 योजना

80 अंक प्रश्नपत्र : 20 अंक अंतर्गत — अंतर्गत 20 अंक

i) मौखिक परीक्षा : 10

ii) गृहपाठ : 10

प्रश्न क्र. 1 बहुविकल्पी प्रश्न – 10	अंक : 20
प्रश्न क्र. 2 लघुत्तरी प्रश्न 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न क्र. 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न क्र. 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
	कुल अंक : 80

एम. ए. भाग II

Semester IV सत्र परीक्षा IV

Paper XV प्रश्नपत्र XV

बीज प्रश्नपत्र

प्रयोजनमूलक हिंदी II

उद्देश्य :

- विविध क्षेत्रों में प्रयुक्त हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली तथा उसकी निर्माण प्रक्रिया का अध्ययन कराना।
- प्रयुक्ति संकल्पना तथा उसका प्रयोजनमूलक हिंदी के साथ के संबंधों का अध्ययन कराना।
- वर्तमानकालीन व्यापक तथा महत्त्वपूर्ण 'संगणक जनसंचार अनुवाद क्षेत्र' में हिंदी के प्रयोग तथा संबंधों का अध्ययन कराना।
- प्रयोजनमूलक हिंदी और सामाजिक संदर्भो का संबंधों का अध्ययन कराना।

Unit I इकाई I — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- प्रयोजनमूलक हिंदी : पारिभाषिक शब्दावली
- पाठ्यविषय :
  - पारिभाषिक शब्दावली : स्वरुप, विशेषताएँ तथा महत्त्व
  - पारिभाषिक शब्दावली : निर्माण प्रक्रिया
  - हिंदी में पारिभाषिक शब्दावली का विकास और समस्याएँ

Unit II इकाई II — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रयुक्तियाँ
- पाठ्यविषय :
  - प्रयुक्ति संकल्पना : स्वरुप, आधार तथा प्रकार
  - प्रयुक्ति और प्रयोजनमूलक हिंदी : अंतःसंबंध
  - ज्ञान विज्ञान के क्षेत्रों की प्रयुक्तियाँ

Unit III इकाई III — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- जनसंचार संगणक तथा अनुवाद और हिंदी
- पाठ्यविषय :
  - जनसंचार क्षेत्र और हिंदी : स्वरुप, विशेषताएँ माध्यम तथा महत्त्व
  - संगणक क्षेत्र और हिंदी : इंटरनेट, हिंदी पोर्टल्स, वेब पब्लिशिंग, विविध हिंदी साफ्टवेयर्स
  - अनुवाद क्षेत्र और हिंदी : स्वरुप, आवश्यकता, प्रक्रिया, महत्त्व

Unit IV इकाई IV — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- प्रयोजनमूलक हिंदी और सामाजिक संदर्भ
- पाठ्यविषय :
  - हिंदी भाषा और समाज
  - हिंदी भाषी परिवार और समाज, भाषिक अंतःसंबंध, भाषा कोड
  - भारतीय समाज में विकसित व्यावसायिक और उपभोक्तावादी संस्कृति

संदर्भ ग्रंथ :

1. हरिबंसल, कार्यालयी कार्याबोध, प्रभात प्रकाशन,दिल्ली
2. डॉ. तिवारी भोलानाथ एवं डॉ. कुलश्रेष्ठ विजय, प्रारुपण, टिप्पण, प्रपठन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,
3. डॉ. पातंजलि, प्रेमचंद, व्यावसायिक हिंदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,,1998
4. डॉ. त्रिपाठी रमेशचंद्र, प्रयोजनमूलक हिंदी विविध परिदृश्य, अलका प्रकाशन, कानपुर

5. रामबंसल 'विज्ञाचार्य', कम्पुटर : सुचना प्रणाली विकास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,
6. मल्होत्रा विजयकुमार, कम्पुटर का भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,,
7. बोरा राजकमल, भारत की भाषावाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,,1998
8. ब्रजमोहन, मानक हिंदी,, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,,2000
9. डॉ. तिवारी भोलानाथ, हिंदी भाषा की संरचना, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,, 1998
10. आ. द्विवेदी महावीरप्रसाद, हिंदी, भाषा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,, 1998
11. डॉ. शर्मा राजमणि ,भाषा हिंदी, भाषा : इतिहास और स्वरूप, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,,1998

प्रश्नपत्र स्वरुप : 80:20 योजना

80 अंक प्रश्नपत्र : 20 अंक अंतर्गत

अंतर्गत 20 अंक

i) मौखिक परीक्षा : 10

ii) गृहपाठ : 10

प्रश्न क्र.	1 बहुविकल्पी प्रश्न – 10	अंक : 20
प्रश्न क्र.	2 लघुत्तरी प्रश्न 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न क्र.	3 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न क्र.	4 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
		कुल अंक : 80

एम. ए. भाग II

Semester III सत्र परीक्षा III

Paper XVI A प्रश्नपत्र XVI A

वैकल्पिक प्रश्नपत्र

कथेतर साहित्य II

उद्देश्य :

- कथेतर साहित्य के उद्भव तथा विकास से परिचित कराना।
- कथेतर साहित्य के विभिन्न रुपों से परिचित कराना।
- कथेतर साहित्य के प्रमुख रचनाकारों तथा कृतियों का सुक्ष्म अध्ययन कराना।
- पठित रचनाकारों तथा उनकी रचनाओं कें वर्तमान कालीन महत्त्व से परिचित कराना।

Unit I इकाई I 15 तासिकाएँ 15 hrs

- पाठ्यपुस्तक : मेरे बाबुजी, नागार्जुन (जीवनी)
- ससंदर्भ के लिये : 'मेरे बाबुजी'
- पाठ्यविषय :
    - जीवनी साहित्य : स्वरूप, तत्त्व, विकास, प्रवृत्तियाँ
    - 'मेरे बाबुजी ' : समग्र अध्ययन
    - समीक्षा के विविध मानदंडों के आधार पर अध्ययन

Unit II इकाई II 15 तासिकाएँ 15 hrs

- पाठ्यपुस्तक : अपनी धरती –अपने लोग, रामविलास शर्मा (आत्मकथा)
- ससंदर्भ के लिये : ' अपनी धरती –अपने लोग '
- पाठ्यविषय :
    - आत्मकथा : स्वरूप , विकास , तत्त्व, विशेषताएँ
    - अपनी धरती – अपने लोग : समग्र अध्ययन
    - समीक्षा के विविध मानदंडों के आधार पर अध्ययन

Unit III इकाई III 15 तासिकाएँ 15 hrs

- पाठ्यपुस्तक : सीमान्त : कश्मीर से कच्छ तक, मनोहर श्याम (डायरी)
- ससंदर्भ के लिये : ' सीमान्त '
- पाठ्यविषय :
    - 'निबंध साहित्य : स्वरूप , विकास , तत्त्व, विशेषताएँ, प्रकार
    - सीमान्त : समग्र अध्ययन
    - समीक्षा के विविध मानदंडों के आधार पर अध्ययन

Unit IV इकाई IV 15 तासिकाएँ 15 hrs

- पाठ्यपुस्तक : 'भारतीयता की पहचान', विद्यानिवास मिश्र, निबंध संग्रह
- ससंदर्भ के लिये : ' भारतीयता की पहचान'
- पाठ्यविषय :
    - निबंध साहित्य : स्वरूप , विकास , तत्त्व, विशेषताएँ, प्रकार
    - 'भारतीयता की पहचान : समग्र अध्ययन
    - समीक्षा के विविध मानदंडों के आधार पर अध्ययन

संदर्भ ग्रंथ :

1. नागार्जुन, मेरे बाबुजी, शोभाकांत, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. शर्मा रामविलास अपनी धरती –अपने लोग, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. जोशी मनोहर श्याम , सीमान्त : कश्मीर से कच्छ तक, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. मिश्र विद्यानिवास, भारतीयता की पहचान (निबंध), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. डॉ. तिवारी रामचंद्र , हिंदी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी सं. 1998

प्रश्नपत्र स्वरुप : 80 : 20 योजना

80 अंक प्रश्नपत्र : 20 अंक अंतर्गत	अंतर्गत 20 अंक	
	i) मौखिक परीक्षा	: 10
	ii) गृहपाठ	: 10

प्रश्न क्र. 1 बहुविकल्पी प्रश्न – 10	अंक : 20
प्रश्न क्र. 2 ससंदर्भ व्याख्या अथवा लघुत्तरी प्रश्न 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न क्र. 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न क्र 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
	कुल अंक : 80

एम. ए. भाग II

Semester IV सत्र परीक्षा IV

Paper XVI B प्रश्नपत्र XVI B

वैकल्पिक प्रश्नपत्र

भाषा प्रौद्योगिकी IV

उद्देश्य :

- भारतीय भाषाओं के साफ्टवेयर्स का परिचय कराना।
- इंटरनेट : हिंदी तथा भारतीय भाषाओं की जानकारी देना।
- विंडोज वातावरण – वीस्टा का परिचय कराना।

Unit I इकाई I — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- भारतीय भाषाओं के साफ्टवेयर्स (सी–डैक, पुने, खरगपुर द्वारा विकसित)
- पाठ्यविषय :
  - इस्की
  - आयएसएम
  - पेजमेकर तथा वर्ड में भाषाओं के प्रयोग का अध्ययन

Unit II इकाई II — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- इंटरनेट हिंदी तथा भारतीय भाषाएँ
- पाठ्यविषय :
  - इ–मेल प्रेषण, स्कॅनींग,ॲटेचमेंट आदि का अध्ययन
  - वेब डिझाईनिंग, ब्लॉग लेखन, वेबसाईट निर्माण ऑडिओ–व्हिडीओ, संपादन कार्य का अध्ययन
  - नेटवर्क अभियांत्रिकी (साजसज्जा), प्रकार

Unit I इकाई III — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- अनुवाद
- पाठ्यविषय :
  - मशीनी अनुवाद , विविध संगणकीय अनुवाद के साफ्टवेयर्स
  - राजभाषा विभाग, गृहमंत्रालय द्वारा विकसित 'मंत्र' साफ्टवेयर का अध्ययन , विविध संस्थाएँ
  - विविध ऑनलाईन 'अनुवाद' संबंधी के हिंदी – भारतीय भाषाओं के साफ्टवेयर्स का अध्ययन

Unit I इकाई IV — 15 तासिकाएँ 15 hrs

- वीस्टा आपरेटिंग सिस्टम
- पाठ्यविषय :
  - वीस्टा आपरेटिंग सिस्टम
  - वीस्टा कार्यप्रणाली का अध्ययन
  - वीस्टा आपरेटिंग सिस्टम (फाईल निर्माण, सुरक्षा, पेज सेटप, इंटरनेट का प्रयोग आदि.)

संदर्भ ग्रंथ :

1. आ. वाजपेयी किशोरीदास ,भारत की भाषाएँ, वाणी प्रकाशन, दिल्ली सं.2010
2. डॉ. विनोद प्रसाद, भाषा और प्रौद्योगिकी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली सं.2006
3. रामबंसल 'विज्ञानाचार्य',कम्प्युटर सूचना प्रणाली विकास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली सं.2010
4. डॉ. मल्होत्रा विजयकुमार, कम्प्युटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, दिल्ली सं.2008
5. डॉ. दीक्षित सूर्यप्रसाद , भाषा प्रौद्योगिकी, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली सं. 2005

प्रश्नपत्र स्वरुप : 80 : 20 योजना

80 अंक प्रश्नपत्र : 20 अंक अंतर्गत

अंतर्गत 20 अंक

i) मौखिक परीक्षा : 10

ii) गृहपाठ : 10

प्रश्न क्र. 1 बहुविकल्पी प्रश्न – 10	अंक : 20
प्रश्न क्र. 2 लघुत्तरी प्रश्न 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न क्र. 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न क्र. 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
	कुल अंक : 80